पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

मानव संसाधन विकास प्रभाग

प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

<u>अनुबंध के आधार पर 'मुख्य जोखिम अधिकारी'</u>

<u>की भर्ती</u>

पद	मुख्य जोखिम अधिकारी
आयु	न्यूनतम आयु - 45 और अधिकतम आयु - 55 (01.01.2020 को)
शैक्षिक योग्यता	उम्मीदवार के पास निम्न योग्यता होनी चाहिए: (i) अनिवार्य शैक्षिक योग्यता: (1) ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ रिस्क प्रोफेशनल से वित्तीय जोखिम प्रबंधन में व्यावसायिक प्रमाणन, या (2) पीआरएमआईए संस्थान से व्यावसायिक जोखिम प्रबंधन प्रमाणन; या (3) ऐसे विनियमित ऋणदाता(ओं) में सी.आर.ओ. के रूप में दो वर्ष का अनुभव जिसके संबंध में बोर्ड अनुमोदन के साथ सी.आर.ओ. नियुक्त करने की नियामक आवश्यकता है।" (ii) *वांछनीय शैक्षिक योग्यता:* **(1)** सीएफए संस्थान द्वारा प्रदत्त चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट चार्टर धारक, या **(2)** भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में नामित, या विदेश में इसके समकक्ष, या **(3)** इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट के रूप में नामित या विदेश में इसके समकक्ष
अनुभव	बैंक (भारत / विदेश) / वित्तीय संस्थान के साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, तरलता जोखिम, ब्याज दर जोखिम, अन्य स्तंभ II जोखिम और विदेशी परिचालन और समूह संस्थाओं से उत्पन्न जोखिमों के साथ अनुभव। वैश्लेषिकी का ज्ञान एक अतिरिक्त योग्यता होगी। <u>अनिवार्य अनुभव:</u> कॉरपोरेट ऋण और जोखिम प्रबंधन में सहायक महाप्रबंधक के स्तर पर एक या

	एक से अधिक पीएसबी में पांच वर्ष का अनुभव 'या' एक वर्ष कॉर्पोरेट ऋण में और एक वर्ष के जोखिम प्रबंधन में न्यूनतम अनुभव सहित एक या अधिक विनियमित ऋण देने वाली संस्था में समान भूमिकाएं और जिम्मेदारियां। वांछनीय अनुभव: बाजार जोखिम और / या तरलता प्रबंधन और / या परिचालन जोखिम की अच्छी समझ, सहित वैश्लेषिकी का ज्ञान इसमें एक अतिरिक्त वांछनीय अनुभव
मीयाद/अवधि	तीन साल की निश्चित संविदात्मक अवधि पर, एक बार में एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, जो अधिकतम पांच साल की अवधि के अधीन रहेगी।
सीटीसी प्रस्ताव	बाजार से जुड़े मुआवजे। मुआवजा सही उम्मीदवार के लिए सीमित कारक नहीं होगा और यह मामला दर मामला आधार पर रहेगा।
अवकाश	सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सूचना के साथ कैलेंडर वर्ष में 12 दिन का आकस्मिक अवकाश और 15 दिन का विशेषाधिकार अवकाश। जिसमें, 4 दिन से अधिक का अवकाश एक बार में नहीं लिया जा सकता है।
पद की संख्या	1 (एक)
तैनाती का स्थान	नई दिल्ली
मुख्य जोखिम अधिकारी की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां	मुख्य जोखिम अधिकारी बैंक के जोखिम कार्य के मुखिया होंगे और बैंक में जोखिम प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया की देखरेख करेंगे, जिसमें समूह स्तर पर, अर्थात्, घरेलू परिचालन, अंतर्राष्ट्रीय सहायक संस्थाएं, घरेलू सहायक संस्थाएं, विदेशी क्षेत्र और शाखाएँ शामिल हैं। वह बैंक के जोखिम मॉडल, विकासशील नीतियों, प्रक्रियाओं और मूल्य निर्धारण मॉडल आदि की समीक्षा के लिए जिम्मेदार रहेंगे। मुख्य जोखिम अधिकारी की भूमिका को मोटे तौर पर परिचालन के निम्नलिखित क्षेत्र में वर्गीकृत किया जा सकता है: **[ए] ऋण जोखिम प्रबंधन** 1) बैंक-वार प्रभावी ऋण जोखिम प्रबंधन और इसके कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार। 2) सुनिश्चित करें कि आवश्यक कौशल, अनुभव और योग्यता के साथ पर्याप्त संसाधन हैं। 3) सीआरएमसी / आरएमसी और / या बोर्ड को अपनी रिपोर्टिंग से पहले क्रेडिट जोखिम प्रबंधन / प्रक्रियाओं के परिणामों की समीक्षा और अनुमोदन। 4) सुनिश्चित करें कि सभी रिपोर्टिंग समय पर और सटीक तरीके से की जाए। 5) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन में लगे बैंक में विभिन्न कार्यों / विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करें।

	6) कार्यशाला, ई-शिक्षण सामग्री, प्रेरण और अन्य चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्रेडिट जोखिम प्रबंधन के क्षेत्रों पर बैंक कर्मचारियों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण सुनिश्चित करें। **[बी] बाजार जोखिम प्रबंधन** 1. विशिष्ट नीतियों, प्रक्रियाओं और कार्यविधि में निदेशक मंडल द्वारा स्थापित बाजार जोखिम प्रबंधन ढांचा जिसे विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के अन्दर कार्यान्वित और सत्यापित किया जा सकता है, उसको अनुवादित करें। 2. जवाबदेही को प्रोत्साहित करने और बनाए रखने के लिए प्राधिकार, जिम्मेदारी और रिपोर्टिंग संबंधों को स्पष्ट रूप से समनुदेश करें और सुनिश्चित करें कि बाजार के जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। 3. व्यवसाय इकाई की नीति में निहित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन निगरानी प्रक्रिया की उपयुक्तता का आकलन करें। 4. दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को योग्य कर्मचारियों के साथ आवश्यक विशेषज्ञता, तकनीकी क्षमताओं और संसाधनों द्वारा आयोजित किया जाए और निगरानी और लागू करने के लिए जिम्मेदार कर्मचारी उन इकाइयों से स्वतंत्र होते हैं जिनकी वे देखरेख करते हैं। 5. सुनिश्चित करें कि बाजार जोखिम प्रबंधन नीति को स्पष्ट रूप से सभी स्तरों पर स्टाफ के लिए के लिए संप्रेषित किया गया है जो बाजार जोखिम से संबंधित है। 6. प्रलेखन नियंत्रण और लेनदेन-हैंडलिंग कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। **[सी] परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन** 1) प्रभावी परिचालन जोखिम प्रबंधन ढांचे और इसके सभी घटकों के निरंतर कार्यान्वयन के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन विभाग (ORMD) की गतिविधियों का पर्यवेक्षण करना। 2) परिचालन जोखिम संबंधी नीतियों की समीक्षा और अनुमोदन और आंतरिक और घरेलू सहायक और विदेशी क्षेत्रों/सहायक कंपनियों के लिए प्रक्रियाएं।

	3) परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति को प्रस्तुत करने से पूर्व ओआरएमडी की सिफारिशों की समीक्षा और अनुमोदन करें। 4) परिचालन और अन्य जोखिम प्रकारों के बीच अंतर-संबंधों का विश्लेषण करना। बाजार में जोखिमों, ऋण और परिचालनात्मक जोखिमों के विश्लेषण और अंतर-संबंधों को सुगम बनाना। 5) सुनिश्चित करना कि व्यवसाय और कार्यकारी प्रबंधन परिचालन जोखिमों की समझ को बनाए रखता है और संबंधित जोखिम प्रबंधन गतिविधियों में भाग लेता है। 6) सुनिश्चित करना कि ओआरएमडी उचित रूप से योग्यता, अनुभव और कौशल के अपेक्षित स्तर के साथ कार्य कर रहा है। 7) उत्पाद, प्रक्रिया और प्रणालियों में नए / संशोधन की मंज़ूरी के लिए उत्पाद और प्रक्रिया अनुमोदन समिति (SPACE) की बैठक आयोजित करना और उत्पाद और प्रक्रिया अनुमोदन समिति द्वारा अनुमोदन की पुष्टि के लिए संबंधित समिति के समक्ष प्रक्रिया और प्रणालियां और कार्यसूची प्रस्तुत करना। **[डी] तरलता और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन** 1) जीसीआरओ, पंजाब नैशनल बैंक के मूल इकाई के पूरे समूह की वैश्विक तरलता स्थिति का पर्यवेक्षण करेगा। 2) प्रभावी तरलता जोखिम प्रबंधन ढांचे और इसके सभी घटकों के निरंतर कार्यान्वयन हेतु ए.एल.एम सेल की गतिविधियों का पर्यवेक्षण करना। 3) आस्ति देयता प्रबंधन नीति की समीक्षा और अनुमोदन। 4) एएलसीओ को प्रस्तुत करने से पहले ए.एल.एम सेल की सिफारिशों की समीक्षा और अनुमोदन। 5) बाजार जोखिम और अन्य जोखिम प्रकारों के बीच अंतर-संबंधों का आकलन करना। बाज़ार, ऋण और परिचालन जोखिमों के बीच जोखिमों का विश्लेषण करना और अंतर संबंधों को सुगम बनाना। 6) सुनिश्चित करें कि व्यवसाय और कार्यकारी प्रबंधन परिचालन जोखिमों की समझ को बनाए रखता है और संबंधित जोखिम प्रबंधन गतिविधियों में भाग लेता है। 7) सुनिश्चित करें कि एएलएम सेल उचित रूप से योग्यता, अनुभव और

	कौशल के अपेक्षित स्तर के साथ कार्य कर रहा है। 8) किसी भी अन्य भूमिका और जिम्मेदारियां जो कॉर्पोरेट एएलसीओ द्वारा निर्दिष्ट की जा सकती हैं। **[ई] अन्य स्तंभ II जोखिमों का प्रबंधन** 1) अन्य जोखिमों जैसे ऋण सांद्रण जोखिम , अनुपालन जोखिम, चलनिधि जोखिम, तरलता जोखिम, रणनीतिक आदि की भौतिकता और महत्व का आकलन करने तथा इन जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए कार्यप्रणाली, प्रणाली या प्रक्रिया के बारे में शीर्ष प्रबंधन को सूचित करना। 2) बैंक की आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरा करना और बोर्ड को प्रस्तुत करना। 3) विकास, कार्यान्वयन, पृष्ठभूमि परीक्षण और विभिन्न जोखिम मॉडल का सत्यापन। 4) दबाबग्रस्तता परीक्षण नीतियों को तैयार करना और नियमित आधार पर दबाबग्रस्तता परीक्षण करना। [एफ] **समूह के जोखिम का प्रबंधन जिसमें विदेशी परिचालन और समूह संस्थाओं से होने वाले जोखिम शामिल हैं** 1) विदेशी शाखाओं और पीएनबी के विभिन्न समूह संस्थाओं में जोखिम प्रबंधन गतिविधियों की देखरेख। 2) विभिन्न समूह संस्थाओं से स्तंभ II के जोखिम और जोखिम की निगरानी के लिए और जोखिम के रोकथाम के लिए समूह संस्थाओं को सलाह जारी करना। **[जी] अन्य** 1) ऋण जोखिम रेटिंग /पुनरीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से ऋण प्रस्तावों के स्वतंत्र मूल्यांकन को अनुमोदित करेगा और ऋण प्रस्तावों के लिए स्वतंत्र विचारों के साथ प्रमुख जोखिम कारक प्रदान किए जाएंगे। 2) कार्यकारी स्तर के जोखिम प्रबंधन समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और बोर्ड स्तर पर आरएमसी आयोजित करने के लिए।

	3) एकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रभाग की सिफारिशों की समीक्षा और प्रस्तुत / अग्रसारित करना जैसी विभिन्न कार्यात्मक समितियों जैसे ऋण जोखिम प्रबन्धन समिति (सीआरएमसी), आस्ति देयता प्रबन्धन समिति (एएलसीओ), परिचालनगत जोखिम प्रबन्धन समिति (ओआरएमसी), समूह जोखिम प्रबन्धन समिति (जीआरएमसी) के लिए या बोर्ड की उप-समिति जैसे बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) आदि। 4) ऋण / बाजार / परिचालनगत जोखिम के लिए उन्नत दृष्टिकोण अपनाने हेतु कार्यप्रणाली के विकास की निगरानी करना। 5) बैंक के लिए पूंजी नियोजन प्रक्रिया का हिस्सा होना, जिसमें अन्य बातों के साथ ये विषय शामिल हैं: • जोखिम भारित आस्तियों और सीआरएआर का आकलन / पूर्वानुमान • विनियामक के साथ-साथ लक्षित पूंजी अनुपात के आधार पर पूंजी की आवश्यकता का आकलन। 6) आधार दर की गणना निधि आधारित उधार दरों की सीमांत लागत और , बैंक की रेपो लिंक्ड उधर दर और उधारकर्ता के जोखिम प्रोफाइल केअनुसार जोखिम प्रीमियम के निर्धारण का हिस्सा होना| 7) पूर्व-अनुमोदन मूल्यांकन, ऋण वितरण, पश्च-अनुमोदन अनुवर्ती, ऋण देने की शक्तियाँ, जोखिम सीमाएँ और अन्य ऋण विनियम संबंधी दिशा-निर्देश जारी करना| 8) बैंक के जोखिम वहन ढांचे को परिभाषित और समीक्षा करना| 9) आरबीआई द्वारा निर्धारित या बैंक के बोर्ड द्वारा समय-समय पर स्वीकृत की गई कोई अन्य भूमिकाएँ और जिम्मेदारियां। वह सीधे बैंक के मुख्य कार्यकारी / बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को रिपोर्ट करेगा| उपरोक्त भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ उदाहरणात्मक हैं और संपूर्ण नहीं हैं|
आवेदन कैसे करें	पात्र उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं जो बैंक की वेबसाइट www.pnbindia.in - लिंक (भर्ती) पर उपलब्ध है। विधिवत रूप से पूर्ण आवेदन दिनांक 19-09-2020 तक हमारे पास पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। अपूर्ण आवेदनों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। सभी संबंधित स्व सत्यापित सहायक दस्तावेजों के साथ आवेदन की हार्ड कॉपी एक सील बंद लिफाफे के ऊपर

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

मानव संसाधन विकास प्रभाग

प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

	"मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) के पद के लिए आवेदन" लिखते हुए पंजीकृत/स्पीड पोस्ट द्वारा निम्न पते पर भेजा जाए: "महाप्रबंधक-एचआरडी पंजाब नैशनल बैंक मानव संसाधन प्रबंधन प्रभाग प्रथम तल, वेस्ट विंग, कॉर्पोरेट कार्यालय सेक्टर 10, द्वारका नई दिल्ली -110075 " किसी भी राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से ड्राफ़्ट के माध्यम से रु.1000/- के देय आवेदन शुल्क "पंजाब नेशनल बैंक- सीआरओ की भर्ती", नई दिल्ली के पक्ष में देय होगा।

दिनांक: 25.08.2020 **महाप्रबंधक (एचआरएमडी)**